पत्र सूचना शाखा,
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0
(राज्यपाल सूचना परिसर)

75वीं वर्षगांठ पर 75 महिला कैदियों की रिहाई

राज्यपाल जी ने राजभवन में नारी बंदी निकेतन कारागार से रिहा हुई 75 महिला कैदियों को उपहार दिये

अपनी आय की धनराशि का उपयोग अपने बच्चों की पढ़ाई–लिखाई व हुनरमन्द बनाने में करें

रिहा हुई महिला कैदी अब आत्मनिर्भरता की ओर बढें– श्रीमती आनंदीबेन पटेल

लखनऊः 14 अगस्त, 2021

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने आज राजभवन में स्वतंत्रता दिवस की 75वीं वर्षगांठ पर चल रहे अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अन्तर्गत नारी बंदी निकेतन कारागार से रिहा हुई 75 महिला कैदियों को मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुये साड़ी, शाल तथा मिष्ठान भेंट किया। इस अवसर पर अपने सम्बोधन में राज्यपाल जी ने कहा कि कारागार से मुक्त होकर आप सभी अपने परिवार के पास जा रही हैं। आप संकल्प लें कि जिस किसी कारण से आपसे अपराध हो गये हैं उनकी अब कभी पुनरावृत्ति नहीं होगी। उन्होंने कहा कि घटना भूलें, बदले की भावना से बचें यह तभी सम्भव है जब आप अपनी सोच बदलेंगी। इसलिये गलत विचारों से मुक्त होकर अपना कार्य कर आगे बढ़ने का प्रयास करें। कारागार में रहकर आप सभी ने अपनी–अपनी रूचि के अनुसार जो हुनर सीखे हैं, उसको अपनाते हुए आत्मनिर्भर बनने की ओर आगे बढ़े और अपने परिवार का सहारा बनें। साथ ही अपने परिवार तथा समाज को भी आवेश एवं क्रोध में किए जाने वाले अपराधों से रोकें।

राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कहा कि आज आप सभी के खातों में कारागार विभाग ने आपके द्वारा कारागार में अर्जित की गई धनराशि आप के खाते में डाल दी है। इसका उपयोग आपको बड़ी ही सावधानी से करना है ताकि उसका कोई दुरूपयोग न कर सके। उन्होंने कहा कि उचित होगा कि अपनी आय की धनराशि का उपयोग अपने बच्चों की पढ़ाई–लिखाई व उन्हें हुनरमन्द बनाने में करें। राज्यपाल ने कहा कि केन्द्र एवं राज्य

सरकार हुनरमंदों के लिए अनेक योजनाएं भी चला रही हैं, जिनका लाभ लेकर अपने परिवार की आमदनी बढ़ाने में भी आप सहायक हो सकती हैं।

अपर मुख्य सचिव गृह ने कहा कि आजादी की 75 वें स्वतंत्रता दिवस पर 75 महिला बंदियों की रिहाई की जा रही है, उन्होंने कहा कि "बीती ताहि बिसार दे आगे की सुध लेय" अर्थात् आप पुरानी घटनाओं को भूलते हुये अपने आगे के जीवन को अपने परिवार के साथ हंसी खुशी से बितायें। किसी भी प्रकार की बदले की भावना से दूर रहें। उन्होंने बताया कि जेलों में इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित किया जा रहा है ताकि बंदियों को मूलभूत सुविधायें प्रदान की जा सकें।

इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव राज्यपाल श्री महेश कुमार गुप्ता, प्रमुख सचिव महिला एवं बाल विकास सुश्री वी0 हेकाली झिमोमी, महानिदेशक कारागार श्री आनंद कुमार, अपर महानिदेशक जेल शरद कुमार कुलश्रेष्ठ सहित अन्य अधिकारी एवं रिहा की गई महिलाएं मौजूद थीं।

———

राजभवन (17/14)